सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 04 AUGUST TO 10 AUGUST 2023 • VOLUME 02 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

समय रहते खुद को बदल लेना,चाहिए जब समय हमें बदलता है, तो तकलीफ बहुत होती है !

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

दिल्ली सेवा बिल लोकसभा में पास, सुशील रिंकू सस्पेंड

नई दिल्ली. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 लोकसभा में पारित हो गया। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने विरोध स्वरूप वाकआउट किया। यह बिल मंगलवार को अमित शाह ने संसद में पेश किया था। दिल्ली सेवा विधेयक मौजूदा अध्यादेश की जगह लेगा जो दिल्ली सरकार को अधिकांश सेवाओं पर नियंत्रण देने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश को रद्द कर देता है। अध्यादेश अरविंद केजरीवाल की 'आप' और केंद्र के बीच एक प्रमुख टकराव रहा है। वहीं, आप सांसद सुशील कुमार रिंकू को आसन पर कागज फेंकने के कारण लोकसभा के शेष मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रस्ताव पेश किया। स्पीकर ओम बिरला ने फैसले की घोषणा करने से पहले सदन की मंजूरी मांगी।

काबिलग़ौर है कि कांग्रेस ने दिल्ली में 'समूह-ए' के अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापना के लिए एक प्राधिकार के गठन के प्रावधान वाले विधेयक का पुरजोर विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह देश के संघीय ढांचे के साथ छेड़छाड़ है और ऐसा किया जाता रहा तो 'हिंदुस्तान तबाह हो जाएगा'। गृह मंत्री अमित शाह ने 'राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023' को लोकसभा में चर्चा और पारित कराने के लिए रखा। चर्चा की शुरुआत करते हुए सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि यह दिल्ली है, दिल्ली हमारा दिल है, दिल्ली के साथ बार-बार छेड़छाड़ क्यों की जा रही है? भाजपा ने दिल्ली को दुनिया के सामने आदर्श राजधानी के रूप में प्रस्तुत करने के लिए 'राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023' को जरूरी बताया और कहा कि केजरीवाल के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने सीसीटीवी कैमरे लगाने, मुफ्त वाई फाई सेवा देने, जल आपूर्ति करने और लोकपाल लाने जैसे वादे पूरे नहीं करके जनता के साथ विश्वासघात किया।

विपक्ष को सिर्फ गठबंधन की परवाह : अमित शाह

अमित शाह ने चर्चा के दौरान कहा कि 2015 में एक पार्टी 'आप' सत्ता में आई। इनका लक्ष्य दिल्ली की सेवा करना नहीं, बल्कि लड़ाई करना था। ये अधिकारियों की ट्रांसफर और पोस्टिंग का अधिकार नहीं चाहते, बल्कि विजीलैंस विभाग पर कंट्रोल चाहते हैं। शाह ने कहा कि विपक्ष की प्राथमिकता अपने गठबंधन को बचाना है। विपक्ष को मणिपुर की चिंता नहीं है। हर कोई एक राज्य के अधिकारों के बारे में बात कर रहा है, लेकिन कौन सा राज्य? दिल्ली एक राज्य नहीं, बल्कि एक केंद्र शासित प्रदेश है।

शाह पर केजरीवाल का पलटवार

आप पर अमित शाह के बयान पर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने पलटवार किया है। आपको बता दें कि दिल्ली से जुड़े इस विधेयक का आम आदमी पार्टी सहित तमाम विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने अमित शाह पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके पास कोई वाजिब तर्क नहीं है। उन्होंने इधर उधर की फालतू बात की है। अमित शाह के बयान पर पलटवार करते हुए केजरीवाल ने ट्वीट किया कि आज लोक सभा में अमित शाह जी को दिल्ली वालों के अधिकार छीनने वाले बिल पर बोलते सुना। बिल का समर्थन करने के लिये उनके पास एक भी वाजिब तर्क नहीं है। वो भी जानते हैं वो ग़लत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये बिल दिल्ली के लोगों को ग़ुलाम बनाने वाला बिल है।

पंजाब में आतंकवादी फंडिंग, टारगेट कीलिंग की साजिश रचने के दोष में एनआरआई हरजीत सिंह गिरफ़्तार

पुलिस टीमों ने खन्ना से हरजीत के नज़दीकी साथी को भी किया गिरफ़्तार : एआईजी एसएसओसी अश्वनी कपूर

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के अंतर्गत पंजाब पुलिस के स्टेट स्पैशल आपरेशन सेल (एसएसओसी) ने स्पेन आधारित भारतीय नागरिक हरजीत सिंह को दहशती फंडिंग और राज्य में टारगेट कीलिंग को अंजाम देने की योजना में शामिल होने के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, नयी दिल्ली से गिरफ़्तार किया है। पुलिस टीमों ने हरजीत सिंह के नज़दीकी साथी अमरिन्दर सिंह उर्फ बंटी को भी उसके पैतृक जिले खन्ना से गिरफ़्तार किया है। यह कार्यवाही पंजाब पुलिस की तरफ से खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केऐलऐफ) से जुड़ी विदेशी संस्थाओं द्वारा संचालित, एक टारगेट कीलिंग माड्यूल के पाँच सदस्यों की गिरफ़्तारी से, इस माड्यूल के पर्दाफाश किये जाने से एक हफ्ते से भी कम समय के अंदर अंजाम दी गई।

एआईजी एसएसओसी एसएएस नगर अश्वनी कपूर ने बताया कि उनको सूचना मिली थी कि गुरदासपुर के गाँव घणशामपुर का मूल निवासी भारतीय नागरिक हरजीत सिंह करीब एक महीना पहले भारत आया था और दहशतगर्दी को वित्तीय सहायता देने की गतिविधियों में शामिल है। वह राज्य में कुछ टारगेट कीलिंग को अंजाम देने की योजना बना रहा था और नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अंतरराष्ट्रीय उड़ान के द्वारा स्पेन के लिए रवाना होने की फिराख में था। तेज़ी से कार्यवाही करते हुए, पंजाब पुलिस ने उसके विरुद्ध तुरंत लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) निकाला, जिसके फलस्वरूप मंगलवार को उसे हवाई अड्डे से गिरफ़्तार किया गया है। गिरफ्तार किये गए दोषी हरजीत सिंह से और पूछताछ करने पर यह बात सामने आई है कि दोषी ने अपने साथी अमरिन्दर उर्फ बंटी को फंडिंग और सहायता देकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि दोषी हरजीत सिंह से पूछताछ से मिले सुराग के आधार पर पुलिस की टीमों ने एस. एस. एस. ओ. सी ने खन्ना से अमरिन्दर उर्फ बंटी को गिरफ़्तार किया।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों दोषी सोशल मीडिया के द्वारा एक-दूसरे के संपर्क में आए थे और एक-दूसरे के साथ इसी तरह के कट्टड़पंथी विचार सांझे करते थे। मुलजिम हरजीत सिंह ने धार्मिक नेताओं की टारगेट कीलिंग को अंजाम देने के लिए स्पेन से भारत में अपने साथी अमरिन्दर बंटी को कई बार वित्तीय सहायता भेजी थी।

एआईजी अश्वनी कपूर ने कहा कि जांच से यह भी सामने आया है कि हरजीत सिंह केऐलऐफ से जुड़े कुछ विदेशी आधारित कट्टड़पंथियों के इशारे पर काम कर रहा था और सिखस फार जस्टिस की गतिविधियों समेत कट्टड़पंथी सामग्री को उत्साहित करने के लिए दो जाली फेसबुक खाते इस्तेमाल कर रहा था।

कैप्टन के पूर्व मीडिया सलाहकार भरतइन्दर सिंह चाहल के विरुद्ध आय से अधिक जायदाद बनाने का केस दर्ज

पूर्व मीडिया सलाहकार ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों की अपेक्षा 305 फ़ीसदी अधिक किया खर्च

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के पूर्व मीडिया सलाहकार भरतइन्दर सिंह चाहल के विरुद्ध आय से अधिक जायदाद बनाने का केस दर्ज किया गया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि इस सम्बन्धी एफ. आई. आर. नं. 26 तारीख 02-08-2023 को भ्रष्टाचार विरोधी एक्ट की धाराओं 13(1) बी, 13(2) के अधीन थाना विजीलैंस ब्यूरो, पटियाला रेंज में भरतइन्दर सिंह चाहल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान सामने आया है कि मार्च 2017 से सितम्बर 2021 तक पूर्व मीडिया सलाहकार चाहल और उसके पारिवारिक सदस्यों की आय 7,85,16,905 रुपए थी जबकि 31,79,89,011 रुपए खर्च किये गए, जोकि आय के ज्ञात स्रोतों से लगभग 305 फ़ीसदी अधिक है।

मुलजिम भरतइन्दर सिंह चाहल ने अपने और अपने पारिवारिक सदस्यों के नाम पर कई जायदादें बनाईं, जिनमें सरहिंद रोड पटियाला पर स्थित दसमेश लग्जरी वैंडिंग रिजोर्ट (अलकाज़ार), मिनी सचिवालय रोड पटियाला पर 2595 गज़ की पाँच मंजिला कमर्शियल इमारत (पशु पालन विभाग की साइट), नाभा रोड पर टोल प्लाज़ा के नज़दीक गाँव कलियान में 72 कनाल 14 मरले ज़मीन शामिल है। इसके इलावा उसने फ़तेहगढ़ साहिब जिले के गाँव मालाहेड़ी और हरबंसपुरा में भी ज़मीन ख़रीदी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि इस मामले की आगे जांच जारी है।

तहसीलदार के नाम पर रिश्वत मांगने वाला प्राईवेट व्यक्ति काबू

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने रमन कौड़ा नाम के एक प्राईवेट व्यक्ति, जो अपने आप को ज़िला लुधियाना के कोहाड़ा का पटवारी बताता था, को तहसीलदार के नाम पर 7000 रुपए रिश्वत मांगने के दोष में काबू किया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि अमरजीत सिंह निवासी ईशर नगर, लुधियाना ने भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाईन पर शिकायत दर्ज करवाई कि उसके ससुर रत्न चंद की मौत के बाद उसकी सास सुनीता देवी और उसके बच्चों के नाम जायदाद का इंतकाल दर्ज करवाना था, जिसके लिए मुलजिम रमन कौड़ा ने तहसीलदार के नाम पर 7000 रुपए रिश्वत माँगी थी। शिकायतकर्ता ने इस सम्बन्धी एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भी पेश की थी।

प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की जांच के उपरांत विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने थाना विजीलैंस ब्यूरो, लुधियाना रेंज में भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 7-ए अधीन एफ. आई. आर. नम्बर 19 तारीख़ 02. 08. 2023 दर्ज करने के बाद आज मुलजिम रमन कौड़ा को गिरफ़्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि कोहाड़ा में तैनात सम्बन्धित तहसीलदार और पटवारी की भूमिका की जांच की जा रही है।

सरकारी एम्बुलेंस ड्राइवर 4000 रुपए रिश्वत लेते पकड़ा

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो द्वारा आज सिवल अस्पताल, गुरदासपुर की सरकारी एम्बुलेंस के ड्राइवर जसपाल सिंह उर्फ लक्की को 4000 रुपए रिश्वत लेते हुये काबू किया गया है। मुलजिम को प्राईवेट एम्बुलेंस के ड्राइवर राजेश कुमार की शिकायत पर पकड़ा गया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि राजेश कुमार निवासी गुरदासपुर ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि सरकारी एम्बुलेंस ड्राइवर जसपाल सिंह प्राईवेट एम्बुलेंस ड्राइवरों की तरफ से मरीजों को दूसरे शहरों में ले जाने के लिए वसूले जाते किराये में से हिस्से की माँग करता था। उन्होंने बताया कि शिकायत की प्राथमिक पड़ताल के उपरांत विजीलैंस ब्यूरो के गुरदासपुर यूनिट ने ट्रैप लगा कर मुलजिम ड्राइवर को सरकारी गवाहों की हाज़िरी में शिकायतकर्ता से 4000 रुपए रिश्वत लेते हुये काबू कर लिया। प्रवक्ता ने बताया कि इस सम्बन्धी ड्राइवर जसपाल सिंह के ख़िलाफ़ थाना विजीलैंस ब्यूरो, अमृतसर रेंज में भ्रष्टाचार रोकथाम एक्ट की धारा 7 के अधीन एफ. आई. आर. नं. 25 तारीख़ 03-08-2023 दर्ज की गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री पटियाला में लहराएंगे तिरंगा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पटियाला में राज्य स्तरीय समागम के दौरान राष्ट्रीय झंडा लहराएंगे। पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां होशियारपुर में और डिप्टी स्पीकर पंजाब विधान सभा जय कृष्ण सिंह रोड़ी जालंधर में राष्ट्रीय झंडा लहराएंगे।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा अमृतसर में, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत और छपाई और स्टेशनरी मंत्री अमन अरोड़ा एस. ए. एस. नगर में, सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डा. बलजीत कौर बठिंडा, जल स्रोत, खनन और भू-विज्ञान, खेल और युवा सेवाएं मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर संगरूर में, प्रवासी भारतीय मामले और शासन सुधार मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल शहीद भगत सिंह नगर में, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और मैडीकल शिक्षा और अनुसंधान मंत्री डा. बलबीर सिंह बरनाला में, राजस्व, जल सप्लाई और सेनिटेशन मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा फ़िरोज़पुर में, ख़ाद्य, सिवल सप्लाई और उपभोक्ता मामले, वन और वन्य जीव सुरक्षा मंत्री लाल चंद कटारूचक्क रूपनगर में, परिवहन, ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर गुरदासपुर में, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस लुधियाना में, बिजली और लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ई. टी. ओ. पठानकोट में, सूचना एवं लोक संपर्क, रक्षा सेवा कल्याण और स्वतंत्रता सेनानी मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा तरन तारन में, श्रम, पर्यटन और सांस्कृतिक मामले मंत्री अनमोल गगन मान मानसा में, स्थानीय निकाय और संसदीय मामलों संबंधी मंत्री बलकार सिंह फाजिल्का में और कृषि और पशु पालन मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां फरीदकोट में राष्ट्रीय झंडा लहराएंगे।

नूंह में हुई हिंसा के बाद अब शांति, टीवीएसएन प्रसाद ने दी जानकारी

नूंह. हरियाणा के मेवात जिले के नूंह में हुई हिंसा के बाद अब शांति है। राज्य सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने हिंसा के बाद की स्थिति को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि हिंसा मामले में अब तक पांच जिलों में कुल 93 एफआईआर दर्ज की गई हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि नूंह में 46, फरीदाबाद में 3, रेवाड़ी 3, गुरुग्राम में 23 और पलवल में 18 एफआईआर दर्ज हुई हैं। कुल 176 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि 78 को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा, "हम जांच कर रहे हैं और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई भी हो और किसी भी समूह का हो।"

टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि अगर किसी ने कुछ ऐसा किया है जो देश और समाज के हित के लिए हानिकारक है तो सरकार उसे बख्शेंगी नहीं, साथ ही कहा कि फॉरेंसिक सबूत एकत्रित करने की जरूरत है।

टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि यात्रा तीन साल से निकाली जा रही है। नूंह में शांति समितियां बनी हुई हैं, जो शांति बनाए रखने के लिए पहले ही बैठक करती हैं। यात्रा की परमिशन से पहले भी इस कमेटी की मीटिंग होती है। इस मीटिंग में भरोसा दिलाया गया था कि यात्रा शांतिपूर्वक होगी।

ज्ञानवापी सर्वे पर हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मुस्लिम पक्ष

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे को सही ठहराया

इलाहाबाद. ज्ञानवापी सर्वे पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंची। याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हो सकती है। वकील निजाम पाशा ने एएसआई के सर्वे को रोकने की मांग चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के सामने रखी। उन्होंने कहा कि हमने तत्काल विचार के लिए ईमेल भी भेजा है जिस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि वह इस पर विचार करके जल्द आदेश देंगे।

वहीं, दूसरी तरफ हिंदू पक्ष की तरफ से याचिकाकर्ता राखी सिंह ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल किया है। निचली अदालत की याचिकाकर्ता राखी सिंह ने पक्ष सुने बिना मुस्लिम पक्ष की अपील पर कोई आदेश न देने की मांग की है। गुरुवार को ही इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे को सही ठहराया।

ज्ञानवापी के एएसआई सर्वे पर हाईकोर्ट के आदेश के मद्देनजर यह जानकारी अहम है कि आज सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष की एक याचिका सुनवाई के लिए लगी है। यह वह याचिका है जिसमें हिंदू श्रद्धालु महिलाओं के आवेदन को सुनवाई योग्य ठहराने का विरोध किया गया है। ऐसे में शुक्रवार को भी हाई कोर्ट के नए आदेश का मसला भी उठ सकता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी जिला अदालत के फैसले को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि एएसआई सर्वे से इमारत को कोई नुकसान नहीं होगा। न्याय हित में सर्वे कराया जाना जरूरी है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद सर्वे पर लगी रोक हट गई है और अब कभी भी ज्ञानवापी का सर्वे शुरू किया जा सकता है। वाराणसी जिला अदालत के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने 21 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। निचली अदालत ने सर्वे का आदेश दिया था। इससे अब हाई कोर्ट ने बरकरार रखा है।

दरअसल, जब भी किसी को यह डर रहता है कि कोई उसके खिलाफ कोर्ट में मामला दायर करने जा रहा है तो वह पहले ही इसे लेकर कैविएट पिटीशन डाल सकता है। ताकि उसकी बात को भी सुना जाए, ऐसे ही हिंदू पक्ष ने भी सुप्रीम कोर्ट में यह पिटीशन दाखिल की है।

सावन में कर आएं भगवान काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन

RELIGIOUS TOUR

वाराणसी में गंगा किनारे बसा काशी विश्वनाथ मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अगर आप पहली बार मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे हैं तो यहां जानिए पहुंचने का तरीका-

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

12 ज्योतिर्लिंगों में एक काशी विश्वनाथ मंदिर भी है। ये मंदिर भारते सबसे पुराने शहर वाराणसी में गंगा किनारे बसा है। हिंदू श्रद्धालु दूर-दूर से इस स्थल पर दर्शन के लिए आते हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी का सबसे प्रमुख स्थल है। हालांकि, अगर आप पहली बार मंदिर जाने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो आपको यहां पहुंचने का तरीका जरूर जानना चाहिए।

बाय रोड कैसे पहुंचे?

वाराणसी पहुंचने के लिए कई राज्यों से प्राइवेट बसें चलती हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर तक पहुंचने के लिए, लाहौरी टोला नामक इलाके तक पहुंचना होगा। मंदिर तक पहुंचने के लिए या तो टैक्सी या साइकिल/ऑटो रिक्शा ले सकते हैं।

ट्रेन से कैसे पहुंचे?

वाराणसी में कई रेलवे स्टेशन हैं। जबकि, वाराणसी सिटी स्टेशन मंदिर से केवल 2 किलोमीटर दूर है। वहीं वाराणसी जंक्शन लगभग 6 किलोमीटर दूर है। सभी स्टेशनअन्य शहरों से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। मंदिर तक पहुंचने के लिए रेलवे स्टेशन के निकास द्वार से साइकिल रिक्शा और ऑटो रिक्शा आसानी से किराए पर लिए जा सकते हैं।

हवाई मार्ग से कैसे पहुंचे?

बाबतपुर में लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डा दिल्ली और मुंबई जैसे भारतीय महानगरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। दिल्ली हवाई अड्डे से इंटरकनेक्टिंग उड़ानें मिलती हैं। इसलिए, अन्य भारतीय शहरों या विदेश से आने वाले पर्यटक दिल्ली घरेलू हवाई अड्डे तक पहुंच सकते हैं और वाराणसी के लिए उड़ान भर सकते हैं। लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे से काशी विश्वनाथ का मंदिर लगभग 20-25 किलोमीटर दूर है। ऐसे में मंदिर तक पहुंचने के लिए टैक्सी, कैब या सार्वजनिक परिवहन ले सकते हैं।

फटाफट बनाएं बेसनी शिमला मिर्च, पराठे के साथ है सुपर टेस्टी

फटाफट ब्रेकफास्ट रेडी करना है या टिफिन में खाना पैक करना है। मिनटों में तैयार कर लें टेस्टी बेसन वाली शिमला मिर्च की सब्जी। ये सब्जी पराठे के साथ खाने में टेस्टी लगती है और बनाने में आसान।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

अगर आप शिमला मिर्च की सब्जी एक या दो तरीके से खाकर बोर हो गई हैं। तो इस बार शिमला मिर्च को बिल्कुल अलग ट्विस्ट के साथ बनाकर तैयार करें। जल्दीबाजी में टिफिन पैक करना हो या फिर सुबह का नाश्ता, पराठों के साथ ये सब्जी काफी टेस्टी लगती है। साथ ही बच्चों और बड़ों हर किसी को पसंद भी आएगी। तो चलिए जानें कैसे बनाएं टेस्टी बेसन में लिपटी शिमला मिर्च की सब्जी।

बेसन वाली शिमला मिर्च की सब्जी बनाने की सामग्री-

- धनिया पाउडर
- लाल मिर्च पाउडर
- बेसन तीन चम्मच
- नमक स्वादासनुसार
- 8-10 शिमला मिर्च
- तिल
- गरम मसाला
- अमचूर पाउडर
- जीरा एक चम्मच
- तेल
- सौंफ आधा चम्मच
- राई आधा चम्मच

बनाने की विधि-

- सबसे पहले शिमला मिर्च को धोकर काट लें।
- बेसन को किसी पैन में धीमी आंच पर रोस्ट कर रख लें।
- अब पैन में तेल गर्म करें और जीरा चटकाएं।
- जीरे के बाद इसमे सौंफ और राई के दाने डालें।
- अच्छी तरह से चिटकने के बाद हींग डालें।
- कटी हुई शिमला मिर्च को डालें।
- गैस की फ्लेम धीमी रखें और ढंककर कुछ देर पकाएं।
- जब ये हल्की पक जाए को इसमे धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर और सफेद तिल डालें।
- साथ में लाल मिर्च पाउडर भी डाल दें। नमक डालकर कुछ देर और पकाएं।
- जब शिमला मिर्च पकने लगे तो इसमे भुने हुए बेसन को अच्छी तरह से दो से तीन चम्मच डालकर मिक्स करें और पकाएं।
- जब ये पक जाए को गैस की फ्लेम बंद कर दें और एक से दो मिनट ढंका रहने दें।
- बस रेडी है बेसन शिमला मिर्च की टेस्टी सब्जी इसे पराठे को साथ सर्व करें।

शिशु को राई के तकिए पर सुलाने से मिलते हैं ये अनोखे फायदे

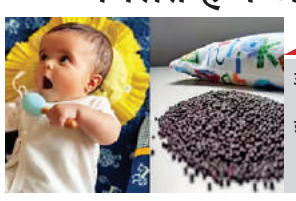

PARENTING

आइए जानते हैं नवजात शिशु को राई का तकिया लगाने से मिलते हैं क्या फायदे। इतना ही नहीं इस खबर में यह भी जानेंगे, घर पर ही कैसे बड़ी आसानी से तैयार किया जा

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

नवजात शिशु पैदा होने के कुछ समय बाद तक एक ही पोजिशन में लेटा रहता है, वो खुद से अपने शरीर को हिला भी नहीं पाता है। जिसकी वजह से कई बार उसके सिर की बनावट चपटी हो जाती है। पेरेंट्स इस परेशानी से बचने के लिए अपने शिशु के सिर के नीचे राई का तकिया लगाते हैं। शिशु के सिर के नीचे राई का तकयिा लगाने से उसकी गर्दन में लचक नहीं आती और सरि सुरक्षति भी रहता है। ऐसे में आइए जानते हैं नवजात शिशु को राई का तकिया लगाने से मिलते हैं क्या फायदे। इतना ही नहीं इस खबर में यह भी जानेंगे, घर पर ही कैसे बड़ी आसानी से तैयार किया जा सकता है राई का तकिया।

शिशु के लिए राई का तकिया कैसे फायदेमंद-

- राई की तासीर गर्म होने की वजह से सर्दियों में बच्चे को ठंड लगने की संभावना कम रहती है।
- राई के तकयिा बच्चे के सरि लगाने से न तो सिर का आकार खराब नहीं होता है और न ही शिशु की गर्दन पर भी दबाव पड़ता।
- शुरूआत से ही बच्चे के सरि के नीचे राई का तकयिा लगाने से बच्चे के सरि को सही गोल आकार मलि जाएगा।
- राई का तकयिा लगाने से बच्चे का दमिाग तेजी से बढ़ता है। मानसकि स्वास्थ्य के लएि राई का तकिया फायदेमंद माना जाता है।

किस उम्र में लगाएं राई का तकिया?

नवजात शशिु के जन्म के पहले दनि से लेकर बच्चे के सालभर तक का होने तक उसके सरि के नीचे राई का तकयिा लगा सकते हैं।

कैसे बनाएं राई का तकिया-

राई का तकिया बनाने के लिए सबसे पहले राई को अच्छी तरह धोकर धूप में सुखा लें ताकि इसके नमी पूरी तरह निकल जाएं। अब एक मीटर सूती कपड़ा लेकर उससे तकयिा बनाकर तीनों साइड से सलि दें। जसि साइड से तकयिा खुला रहता है, उस जगह से उसमें राई भर दें। सरि के जगह खाली छोड़ें और बाकी जगह राई भर दें, अंत में आप चारों तरफ से सिल दें। आपका राई का तकिया बनकर तैयार है।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

FASHION+

स्टाइल खराब करती है लटकती तोंद? पेट छुपाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

लाइफस्टाइल की खराब आदतों की वजह से ज्यादातर लड़कियां अपने बेली फैट से परेशान हो रही हैं। स्टाइलिंग में भी ये काफी भद्दा लगता है। पेट छुपाने के लिए आप इन तरीकों को अपनाएं।

तस्वीर साभार
Social Media

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

हर किसी का बॉडी शेप अलग होता है। हालांकि, इन दिनों ज्यादातर महिलाएं बेली फैट के कारण परेशान रहती हैं। बेली फैट कम करने के लिए लोग कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन फिर भी एक इंच भी फर्क नहीं पड़ता। ज्यादातर लड़कियां मोटी नहीं होती, लेकिन उनका पेट काफी ज्यादा बढ़ा हुआ होता है। इस तरह की बॉडी शेप की वजह से महिलाएं अपनी पसंदीदा ड्रेस तक पहनना छोड़ देती हैं। बॉडी शेप के हिसाब से कपड़े चुनना महिलाओं के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होता है। लटकती तोंद को छुपाने के लिए आप कुछ आउटफिट आइडियाज अपना सकते हैं।

बेल्ट ना पहनें- स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखने के लिए कुछ महिलाएं बेल्ट कैरी करती हैं। हालांकि, जिन लड़कियों का बेली फैट ज्यादा होता है वह इसे लगाने से बचें। लटकता पेट आपके लुक को खराब कर सकता है। अपने ऑउटफिट के साथ बेल्ट का यूज बिल्कुल न करें।

ना पहने बॉडीकॉन ड्रेस- पेट ज्यादा बढ़ गया है तो आपको बॉडीकॉन ड्रेस पहनने से बचना चाहिए। इस तरह की ड्रेस काफी ज्यादा टाइट होती हैं, जिसकी वजह से आप बल्की दिख सकती हैं। बेली फैट छुपाने के लिए लूज फिट स्कर्ट या पैंट बेस्ट ऑप्शन है।

रफल टॉप पहनें- रफल टॉप दिखने में काफी ज्यादा स्टाइलिश दिखते हैं। ये पेट की चर्बी छुपाने में भी कारगर होते हैं। बेल स्लीव्स वाला रफल टॉप आपके लिए सबसे बेस्ट साबित हो सकता है।

हाई वेस्टजींस- लो वेस्ट जींस में आपका पेट काफी ज्यादा बाहर दिख सकता है। ज्यादा पेट वाले लोगों के लिए हाई वेस्ट जींस सबसे अच्छी होती है। इससे पेट छुपाना काफी ज्यादा आसान हो जाता है।

पैटर्न का रखें ध्यान- पेट छुपाने के लिए कपड़ों के पैटर्न को भी ध्यान रखना जरूरी है। वर्टिकल पैटर्न वाले ड्रेस में आप लंबी लग सकती हैं। साथ ही इस तरह के पैटर्न वाली ड्रेस में बेली फैट कम लग सकता है।

तस्वीर साभार
Social Media

HEALTH CARE

शरीर में इस वजह से बढ़ने लगता है यूरिक एसिड, घुटनों में तेज दर्द और हार्ट अटैक का होता है खतरा

यूरिक एसिड बढ़ने पर कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर यूरिक एसिड बढ़ता ही क्यों है? नहीं तो इस आर्टिकल में जानिए यूरिक एसिड से जुड़ी जानकारी-

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

ज्यादातर लोगों के हाथ-पैर में अक्सर दर्द रहता है। खासकर जोड़ों के दर्द को लेकर लोग परेशान होते हैं। इस दर्द की वजह से उठना-बैठना तो मुश्किल होता ही है, साथ ही चलने-फिरने में भी तकलीफ होती है। ज्यादातर लोग मौसमी बदलाव सोचकर भी इस दर्द को टाल देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके इस दर्द की वजह बढ़ा हुआ यूरिक एसिड भी हो सकता है। इन दिनों यूरिक एसिड बढ़ने की समस्या भी काफी कॉमन है। यूरिक एसिड बढ़ने से शरीर में कई तरह की समस्याएं होती रहती है। कुछ स्टडीज बताती हैं कि बढ़े हुए यूरिक एसिड की वजह से व्यक्ति को हार्ट अटैक भी आ सकता है। आइए, इस आर्टिकल में समझते हैं कि आखिर क्यों बढ़ता है यूरिक एसिड और इसके बढ़ने के बाद शरीर में क्या लक्षण दिखते हैं।

क्यों बढ़ जाता है यूरिक एसिड

यूरिक एसिड बढ़ने की वजह जानने से पहले आपको ये जानना होगा की आखिर ये क्या है। यूरिक एसिड एक तरह का केमिकल है, जो खून में पाया जाता है। ये शरीर में तब बनता है जब प्यूरिनयूक्त खाने की चीजों को पचाया जाए। जब शरीर में प्यूरिन की मात्रा बढ़ती है और किड़नी ठीक से फिल्टर ना कर पाए तहब यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है। गरिष्ठ खाना और शराब यूरिक एसिड के निष्कासन को स्लो करते हैं। यूरिक एसिड बढ़ने के पीछे कुछ और वजह भी शामिल हैं। जैसे- • ज्यादा शराब पीना • मोटापा • प्यूरीन वाला खाना जैसे मशरूम, राजमा, गोभी वगैराह • जेनेटिक • सोरायसिस • कमजोर इम्यूनिटी

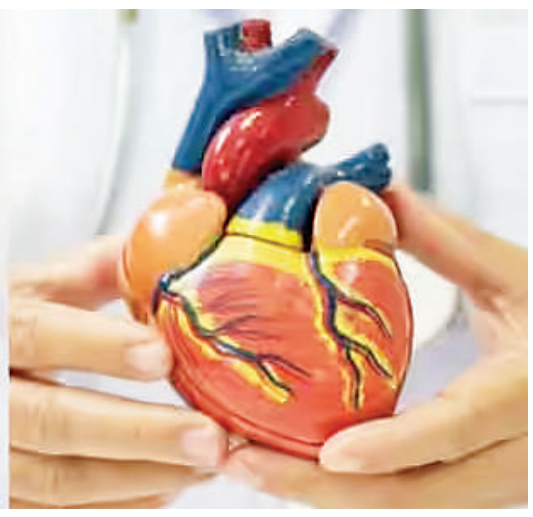

बढ़े हुए यूरिक एसिड के लक्षण

• जोड़ों का दर्द • किसी जोड़ में सूजन • जोड़ के आसपास की लाल त्वचा • पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द • जी मिचलाना • उल्टी आना • पेशाब पर कंट्रोल ना होना • पेशाब से खून

बचाव के लिए क्या ना खाएं?

खान-पान में बदलाव से यूरिक एसिड को हटाने में मदद मिल सकती है। ऐसे में कुछ चीजों को खाने से बचें।
• ओट्स • लाल मांस • गेहूं के बीजाणु और चोकर • सी फूड • सेम और दाल • मीठा • ग्रेवीज • पालक, मशरूम, और मटर • शराब और बियर

कैसे कम होगा यूरिक एसिड

• अगर आप कोई ऐसी दवाई ले रहे हैं जिसकी वजह से यूरिक एसिड बढ़ सकता है, तो डॉक्टर की सलाह के बाद इन्हें तुरंत बदलें।
• तनाव और कम एक्सरसाइज की वजह से भी यूरिक एसिड बढ़ सकता है। ऐसे में रूटीन में कुछ योग और सांस लेने की एक्सरसाइज शामिल करें।
• डायट में ज्यादा फाइबर शामिल करें, ये ब्लड में जमा यूरिक एसिड के लेवल को कम करने में मदद करता है।
• यूरिक एसिड के स्तर को कम करने के लिए अपना वजन कम करना बहुत जरूरी है।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

'सांसद भारत दर्शन यात्रा' का हुआ शुभारंभ 2.0 के मेधावी बच्चे दिल्ली पहुँचे

उत्साह व उत्सुकता से भरी बेटियों के आँखों की चमक से मन प्रफुल्लित है : अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के मेधावी छात्रों को भारत भ्रमण हेतु केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के अति लोकप्रिय सांसद भारत दर्शन 2।0 के मेधावी आज दिल्ली पहुँचे। इस बार 'सांसद भारत दर्शन योजना' पर जाने हेतु 21 मेधावी बेटियों का चयन हुआ है। सभी छात्राएं अपने पहले पड़ाव पर आज सुबह दिल्ली पहुंचीं जहाँ सबसे पहले उन्होंने आकाशवाणी केंद्र का भ्रमण किया।

इसके बाद सभी बेटियां संसद भवन पहुंची और संसद भ्रमण के पश्चात लोकसभा स्पीकर से भेंट की। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की 21 मेधावी बेटियां भारत के माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी से मिलीं व उनका हिमाचल के पारंपरिक तौर तरीक़े टोपी शाल व चंबा थाल के साथ अभिनंदन किया। संसद भवन में माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन जी, पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव जी, भारतीय ओलंपिक संघ की की अध्यक्ष पीटी उषा जी ने सांसद भारत दर्शन की मेधावी बेटियों के साथ संवाद के दौरान उन्हें अपने जीवन के संघर्षों व अनुभवों के बारे में विस्तार से बताया व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के अनुराग ठाकुर की निरन्तर प्रयासों से भी अवगत कराया। सभी गणमान्यों ने बच्चों को इस योजना का लाभ बताते हुए उन्हें उज्ज्वल जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

बेटियों से वार्तालाप करते हुए माननीय उपराष्ट्रपति महोदय ने कहा, "भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए आप जैसे युवाओं को आगे आकर इसकी भागदौड़ अपने हाथों में लेनी होगी। आज दुनिया में अगर भारत का डंका बजा है तो उसका एक प्रमुख कारण डेमोग्राफिक डिविडेंट और उसमे भी गर्ल पावर को जाता है। आज पूरी दुनिया में भारतीय मूल का होना एक अलग रूतबा है।" उन्होंने कहा, "आप जहाँ भी जाएँ, आज हो रहे डेवलपमेंट को बारीकी से देखें, समझें। अनुराग ठाकुर एक समर्पित सांसद व कर्तव्यनिष्ठ मंत्री हैं। अपने संसदीय क्षेत्र के विकास में उनके प्रयास सराहनीय हैं। मुझे यह देख कर हर्ष होता है कि उन्होंने सांसद भारत दर्शन जैसी अनूठी योजना की शुरुआत की जो आप जैसे युवाओं के सर्वांगीण विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। मेरी आप सभी को व अनुराग जी को हार्दिक शुभकामनाएँ। माननीय उपराष्ट्रपति महोदय में आगे बेटियों को स्टार्टअप शुरू करने और स्वावलम्बी बनने की सलाह दी। ठाकुर ने कहा, "मेरे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की 21 होनहार बेटियाँ सांसद भारत दर्शन योजना के अन्तर्गत भारत भ्रमण पर निकली हैं। यह सभी 21 छात्राएं मेरे संसदीय क्षेत्र हमीरपुर से चुनकर आई हैं। इन्होंने शिक्षा में बेहद अच्छा किया है। इसके साथ ही जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कहते हैं कि एजुकेशन के साथ-साथ एक्स्पोज़र भी मिलना चाहिए इसीलिए यह सभी बेटियां भारत भ्रमण पर निकली हैं।

"ठाकुर ने बताया कि उन्होंने 5 वर्ष पहले इस 'सांसद भारत दर्शन योजना' की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा, "आज सभी बेटियों ने देश के माननीय उपराष्ट्रपति जी, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला जी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन जी, पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव जी , भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा जी से भेंट की।यात्रा की आगे की जानकारी देते हुए ठाकुर ने बताया कि आगे बेटियां प्रधानमंत्री जी के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी जाएंगी। उन्होंने कहा, "इन्हें अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर का दौरा भी कराया जाएगा। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय समेत अन्य शिक्षण संस्थानों व वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट के अंतर्गत चल रहे प्रोग्राम भी देखेंगे। सभी बेटियों का लखनऊ में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ भी मिलन निश्चित हुआ है। सभी बेटियां वंदे भारत ट्रेन से भी यात्रा करेंगी।

अनुराग ठाकुर ने कहा "आज उनकी यात्रा के पहले दिन का पहला पड़ाव आकाशवाणी का दिल्ली स्थित केंद्र था जहाँ बेटियों ने आकाशवाणी के प्रसारण की बारीकियों और तकनीकियों को देखा-समझा। बेटियों ने खूब सीखा और जाना। उत्साह व उत्सुकता से भरी बेटियों के आँखों की चमक से मन प्रफुल्लित है।

अनुराग ठाकुर ने बताया की हिमाचल की बेटियां लगातार बेहद अच्छा कर रहीं हैं। कई स्कूलों में टॉप 10 में से 7 बच्चियां हैं पर उनको एक्सपोज़र नहीं मिल पाता। कई बच्चे तो अपने राज्य के बाहर दूर की बात अपने अगल बगल वाले ज़िले तक नहीं घूम पाते। दिल्ली आना तो दूर की बात होती थी। उन्होंने कहा, इस यात्रा का उद्देश्य हिमाचल में पारम्परिक करियर ऑप्शंस के अलावा संभावनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। देश- विदेश में क्या चल रहा है इसे हमारे युवाओं को जानना चाहिए।" दिन के अंतिम पड़ाव में बेटियां दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर गईं और वहां दर्शन-पूजन किये। गौरतलब हो की अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा क्षेत्र के बच्चों हेतु भारत भ्रमण की इस अनूठी पहल का ये दूसरा चरण है। छात्र- छात्राएं 01 जून 2023 से हीं वेबसाइट के माध्यम से इसके लिए आवदेन कर रहें थे। विद्यार्थियों की सहूलियत हेतु इस बार आवेदन करने के लिए विशेष रूप से एक क्यूआर कोड भी तैयार किया गया था।

'सांसद भारत दर्शन 2023' की घोषणा करते हुए अनुराग ठाकुर ने बताया था कि भारत दर्शन के पहले चरण की अपार सफलता के बाद अब दूसरा चरण कराने का निर्णय लिया गया है। ठाकुर ने पहले हीं जानकारी दी थी की इस बार विद्यार्थियों को दिल्ली और उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के भ्रमण पर ले जाया जाएगा।

अधिभार (ओवरबर्डन) से रेत का उत्पादन : कचरे से कंचन

कोयला मंत्रालय के तहत कोयला एवं लिग्नाइट सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा एक अनूठी पहल

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भले ही अपने उपभोक्ताओं के लिए कोयला/ लिग्नाइट का उत्पादन और वितरण करने का ही शासनादेश हो, फिर भी कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में कोयला और लिग्नाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने लीक से हटकर ओवरबर्डन से बहुत कम कीमत पर रेत का उत्पादन करने वाली एक अनोखी पहल की है। इस पहल से न केवल ओवरबर्डन के कारण रेत गाद से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में मदद मिल रही है, बल्कि निर्माण के लिए सस्ती रेत प्राप्त करने का विकल्प भी मिल रहा है। कोयला सार्वजनिक उपक्रमों में रेत का उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है और अगले पांच वर्षों के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), नैवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएलसीआईएल) और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में रेत के उत्पादन को अधिकतम करने के लिए रोडमैप तैयार किया जा चुका है।

कोयले का निष्कर्षण एक महत्वपूर्ण उप-उत्पाद के साथ होता है, जिसे ओवरबर्डन के नाम से जाना जाता है। कोयले के खुले खनन के दौरान, कोयले की परत के ऊपर स्थित परत को ओवरबर्डन के रूप में जाना जाता है, जिसमें प्रचुर मात्रा में सिलिका सामग्री के साथ मिट्टी, जलोढ़ रेत और बलुआ पत्थर शामिल होते हैं। नीचे से कोयला निकालने के लिए ओवरबर्डन को हटा दिया जाता है। बाद में, कोयला निष्कर्षण पूरा होने पर, भूमि को उसका मूल आकार प्रदान करने के लिए ओवरबर्डन का उपयोग बैकफिलिंग के लिए किया जाता है। ऊपर से ओवरबर्डन निकालते समय, मात्रा का स्वेल फैक्टर 20-25 प्रतिशत होता है। इस ओवरबर्डन को परंपरागत रूप से अपशिष्ट या बोझ माना जाता है और अक्सर इसके संभावित मूल्य को पहचाने बिना इसे ऐसे ही छोड़ दिया जाता है। हालांकि, सतत् अभ्यास और सर्कुलर इकोनॉमी पर बढ़ते फोकस के साथ, ओवरबर्डन के लिए वैकल्पिक उपयोग की खोज करने और इसे कचरे से कंचन में बदलने की दिशा में बदलाव आया है।

प्रथम पहल : इस तरह के रूपांतरण की पहली व्यावसायिक पहल सीआईएल की सहायक कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने 2016-17 के दौरान अपनी खदान में की थी। महाराष्ट्र के नागपुर जिले के भानेगांव खदान में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया

गया था, जहां विभाग की ओर से स्थापित की गई मशीनों के जरिए रेत निकाली जाती थी। इस मशीन की क्षमता 300 घन मीटर प्रतिदिन थी। निकाली गई रेत का गहन परीक्षण किया गया और अंततः उसे नदी तल से मिलने वाली रेत से बेहतर पाया गया। इसकी कीमत लगभग 160 रुपये प्रति घन मीटर थी, जो बाजार की तत्कालीन कीमत का लगभग 10 प्रतिशत थी। यह रेत प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत कम लागत वाले घर बनाने के लिए नागपुर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट को दी गई थी। इसके अलावा दो और विभागीय पहल भी शुरू की गई।

पायलट परियोजनाओं की सफलता पर, डब्ल्यूसीएल ने नागपुर के पास गोंडेगांव खदान में देश के सबसे बड़े रेत उत्पादन संयंत्र को चालू करके रेत का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया। यह इकाई बाजार मूल्य से लगभग आधी कीमत पर प्रतिदिन 2500 घन मीटर रेत का उत्पादन करती है।

सरकारी इकाइयों के साथ साझेदारी और स्थानीय बिक्री नागपुर के सबसे बड़े रेत उत्पादक संयंत्र से उत्पादित रेत का बड़ा हिस्सा बाजार मूल्य के एक तिहाई पर एनएचएआई, एमओआईएल, महा जेनको जैसी सरकारी इकाइयों और अन्य छोटी इकाइयों को दिया जा रहा है। बाकी रेत को बाजार में खुली नीलामी के माध्यम से बेचा जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी सस्ती कीमत पर रेत मिल रही है।

कचरे से कंचन : एक आदर्श बदलाव : ओवरबर्डन, जिसे कभी अपशिष्ट या बेकार पदार्थ समझा जाता था, अब उसे एक मूल्यवान संसाधन माना जा रहा है। रेत प्रसंस्करण इकाइयां भी जबरदस्त रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में स्थानीय आबादी न केवल उत्पादन इकाई में, बल्कि ट्रकों के माध्यम से उपभोक्ताओं तक रेत को ले जाने के लिए उसकी लोडिंग और आपूर्ति जैसी कार्यों में शामिल हो रही है।

विस्तार की योजनाएं और समाज पर प्रभाव : इस सकारात्मक दृष्टिकोण और ओवरबर्डन के वैकल्पिक उपयोग की खोज के एक भाग के रूप में, सीआईएल ने देश के पूर्वी और मध्य भाग में अपनी सहायक कंपनियों में कई ओवरबर्डन प्रसंस्करण संयंत्र और रेत उत्पादन संयंत्र चालू किए हैं। इस स्थायी प्रयास के हिस्से के रूप में, कोयला सार्वजनिक उपक्रम में ओवरबर्डन से नौ रेत उत्पादन/ प्रसंस्करण संयंत्र पहले से ही उत्पादन में हैं, जिनमें से चार एससीसीएल में, तीन डब्ल्यूसीएल में और एक-एक एनसीएल और ईसीएल में हैं। इन रेत उत्पादन/ प्रसंस्करण संयंत्रों की कुल वार्षिक क्षमता लगभग 5.5 मिलियन क्यूबिक मीटर प्रति वर्ष है। इसके अलावा, सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों में ओवरबर्डन से रेत उत्पादक चार संयंत्र निविदा के विभिन्न चरणों में हैं। लिग्नाइट उत्पादक कंपनी एनएलसीआईएल भी दो रेत उत्पादक संयंत्र लगा रही है। इन सभी नए आगामी संयंत्रों की कुल वार्षिक रेत उत्पादन क्षमता लगभग 1.5 मिलियन क्यूबिक मीटर प्रति वर्ष होगी।

भविष्य का मार्ग : अग्रणी पहलों के माध्यम से, कोयला/ लिग्नाइट सार्वजनिक उपक्रम रेत उत्पादन और खपत के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का नेतृत्व कर रहे हैं, जो पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक कल्याण में योगदान दे रहा है। कोयला मंत्रालय किफायती मूल्य पर ओवरबर्डन से और भी अधिक मात्रा में रेत का उत्पादन करने के लिए कोयला/ लिग्नाइट सार्वजनिक उपक्रम को लीक से हटकर इस पहल को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

अगले कुछ वर्षों में, प्रौद्योगिकी की प्रगति और हमारे देश में विभिन्न स्थानों में भारी मात्रा में होने वाले रेत उत्पादन के साथ, रेत के प्रति घन मीटर कीमत में काफी कमी आएगी, जिससे आम आदमी को निर्माण उद्देश्य के लिए सस्ती रेत उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे नदी तल की रेत के इस्तेमाल को भी कम करने में मदद मिलेगी, जो बदले में पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद होगा।

पंजाब केवी और उत्तर भारत के पांच केन्द्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों ने कंसोर्टियम ऑफ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ऑफ नॉर्थ इंडिया की स्थापना हेतु किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय और उत्तर भारत के पांच अन्य केन्द्रीय उच्च शिक्षा संस्थान अकादमिक सहयोग और संसाधनों को साझा करने के उद्देश्य से कंसोर्टियम ऑफ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ऑफ नॉर्थ इंडिया (सीएचईएनआई) की स्थापना करने का निर्णय लेते हुए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर माननीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की गरिमामयी उपस्थिति में हुए। माननीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार और उच्च शिक्षा सचिव के. संजय मूर्ति ने भी अपनी उपस्थिति से हस्ताक्षर समारोह कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) के लिए हस्ताक्षर समारोह का आयोजन 29 जुलाई, 2023 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में एनईपी-2020 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर चल रहे अखिल भारतीय शिक्षण समारोह के दौरान किया गया। इस समूह को कंसोर्टियम ऑफ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन ऑफ नॉर्थ इंडिया (सीएचईएनआई) नाम दिया गया है।

इस कंसोर्टियम में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ सहित उत्तर भारत क्षेत्र के 6 उच्च शिक्षण संस्थान शामिल हैं।

माननीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भागीदार संस्थानों की इस पहल की सराहना की और आशा व्यक्त की कि ये शैक्षणिक सहयोग एनईपी-2020 के कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीएचईएनआई की स्थापना एक अग्रणी पहल है जो स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर के संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों के संचालन का मार्ग प्रशस्त करेगी। इसके अतिरिक्त, यह कंसोर्टियम संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाएगा और क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत सभी भागीदार उच्च शिक्षण संस्थान संयुक्त प्रकाशन, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के तहत क्रेडिट हस्तांतरण, एकाधिक-प्रवेश-निकास विकल्प, संकाय और छात्रों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम, और संसाधनों के साझाकरण की दिशा में कार्य करेंगे। यह समझौता ज्ञापन वास्तव में सभी छह उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय और छात्रों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

हस्ताक्षर समारोह में आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा, सीयू पंजाब के कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी, सीयू हरियाणा के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सीयू राजस्थान के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव, सीयू हिमाचल प्रदेश कुलपति प्रो. एस पी बंसल और सीयू जम्मू के कुलपति प्रो. संजीव जैन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते समय, कंसोर्टियम के सदस्यों ने एनईपी-2020 में परिकल्पित सुधारों को पूरी तरह से लागू करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस कंसोर्टियम का उद्देश्य माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाते हुए शिक्षा प्रणाली में आवश्यक बदलाव सुनिश्चित करना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से देश के युवाओं का समग्र विकास और 21वीं सदी के वैश्विक कौशल के साथ उन्हें सशक्त बनाना है।

एनएफटी, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा : उभरती चुनौतियों का समाधान

जैसे-जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल युग में अपना विस्तार कर रही है, नॉन फंजीबल टोकन्स (एनएफटी), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मेटावर्स जैसी तकनीकों की प्रगति ने कला और संग्रहणीय बाजार, वाणिज्य और संचार सहित समाज के विभिन्न पहलुओं में क्रांति ला दी है। जहां ये नवाचार अपार अवसर और लाभ पहुंचा रहे हैं, वहीं यह अपराध और सुरक्षा के संदर्भ में अत्याधिक चुनौतियां भी पेश कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र और तैयार कर रहे हैं जिससे गोपनीयता संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं।

नॉन फंजीबल टोकन्स(एनएफटी) के आसमान छूते उपयोग के साथ, उपयोगकर्ताओं को ठगने और उनके डिजिटल वॉलेट से धन की चोरी करने के उद्देश्य से द्वेषपूर्ण एनएफटी घोटालों में वृद्धि देखने को मिल रही है। मेटावर्स अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है लेकिन उपभोक्ताओं को उन सुरक्षा और गोपनीयता उपायों को समझने की आवश्यकता है जो प्लेटफ़ॉर्म एनेबलर प्रदान करते हैं। साइबर खतरे के परिदृश्य की जटिलता बढ़ गई है और क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहलों के माध्यम से उद्योगों, शिक्षा जगत और सरकार के बीच उच्च स्तरीय सहयोग की आवश्यकता है।

एक सुरक्षित और भरोसेमंद साइबर स्पेस को बढ़ावा देने के लिए इन उभरती चुनौतियों का समाधान करने के लिए, गृह मंत्रालय 13-14 जुलाई को गुरुग्राम, हरियाणा में "एनएफटी, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा" पर जी20 सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

एनएफटी : बाजार में बदलावऔर आपराधिक संभावनाओं का विस्तार : नॉन फंजीबल टोकन्सने 2014 के बाद से, कला बाजार में क्रांति ला दी है, जिससे डिजिटल संपत्ति के लिए डिजिटल स्वामित्व और उत्पत्ति स्थान सत्यापन सक्षम हो गया है। एनएफटी बाजार 2028 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। हालाँकि, यह क्रांतिकारी तकनीक आपराधिक गतिविधियों के लिए नए द्वार भी प्रस्तुत करती है। नकली एनएफटी, अनधिकृत नकल और कॉपीराइट का उल्लंघन डिजिटल आर्ट के क्षेत्र में प्रमुख चिंताएं बन चुकी हैं। इसके अलावा, एनएफटी लेनदेन में उपयोग की जाने वाली क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गुमनामी मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी और अवैध वित्तपोषण की सुविधा प्रदान कर सकती है।इसके अलावा, एनएफटी प्लेटफॉर्म में मौजूद प्रतिभूतियों के मुद्दे और अतिसंवेदनशीलता एक परिष्कृत साइबर हमले का कारण बन सकती हैं, जिससे भारी वित्तीय और साथ ही प्रतिष्ठा की हानि हो सकती है। हितधारकों के हितों की रक्षा करते हुए एनएफटी लेनदेन की प्रामाणिकता और वैधता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत नियामक ढांचे स्थापित करने, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत करने और जी20 देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

टिफिशियल इंटेलिजेंस : अपराध और सुरक्षा की एक दुधारी तलवार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रसार ने विभिन्न उद्योगों में परिवर्तनकारी संभावनाओं को खोल दिया है। साइबर सुरक्षा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भविष्यसूचक बाजार/मौसम विश्लेषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरी है। हालाँकि, साइबर अपराधीजटिल साइबर हमलों को अंजाम देने और एआई-संचालित फर्जी योजनाएं शुरू करने के लिए एआई का उपयोग कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव

जालंधर ब्रीज

डॉ. जे. एम. व्यास
(कुलपति, एनएफएसयू और डॉ. नवीन कुमार चौधरी, डीन, स्कूल ऑफ साइबर सिक्योरिटी एंड डिजिटल फोरेंसिक, गांधीनगर, गुजरात)

सकारात्मक प्रगति के साथ, नकारात्मक परिणामों को भी शामिल करता है। अपराधियों के बीच जटिल साइबर हमलों को अंजाम देने, पहचान की चोरी करने और दुष्प्रचार करने के लिए एआई का उपयोग करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।एआई-पावर्ड मैलवेयर, एपीटी, डीडीओएस, डीप फेक तकनीक आदि एआई आधारित साइबर सुरक्षा हमलों के कुछ ऐसे ही उदाहरण हैं, जो निश्चित रूप से व्यक्ति की गोपनीयता, विश्वास और डिजिटल सामग्री की अखंडता के लिए एक गंभीर खतरे पैदा करते हैं। एआई के इस युग में, जी20 देशों के लिए साइबर सुरक्षा उपायों को तरजीह देना, वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना और उभरते खतरों का अति सक्रिय होकर समाधान करने के लिए अनुसंधान के लिए संसाधन आवंटित करना अनिवार्य है। एआई के विकास और कार्यान्वयन के लिए नैतिक ढांचे की स्थापना जिम्मेदार उपयोग की गारंटी देगा और एआई-सक्षम आपराधिक कार्यों से जुड़े जोखिम कम होंगे। एआई शासन को मजबूत करना, जिम्मेदार एआई विकास को प्रोत्साहित करना और एआई-संचालित खतरे का पता लगाने वाले तंत्र को बढ़ाना एक सुरक्षित डिजिटल इकोसिस्टम सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं।

मेटावर्स : एक विस्तारित वर्चुअल परिदृश्य और इसकी सुरक्षा का आशय मेटावर्स एक परस्पर जुड़ी वर्चुअल दुनिया का प्रतिनिधित्व करता है इसमें लोग वास्तविक नहीं बल्कि वर्चुअल रूप से मौजूद रहते हैं। यह वास्तविक और डिजिटल सच्चाइयों के बीच की सीमाओं को धुंधला कर देता है।

यह व्यवसायों, सामाजिक संस्कृति और बातचीत और मनोरंजन के लिए बड़ी संभावनाएं प्रदान करता है। लेकिन हर चीज़ कीमत चुकाने और उससे जुड़े जोखिमों से मुकाबला करने के बाद ही मिलती है। वर्चुअल पहचान की चोरी, फ़िशिंग घोटाले और वर्चुअल संपत्ति की चोरी इस तल्लीन वातावरण में संभावित खतरे हैं।इसके अलावा, मेटावर्स की विकेंद्रीकृत प्रकृति कानून प्रवर्तन प्रयासों को जटिल बना सकती है, जिससे सरकारों, प्रौद्योगिकी कंपनियों और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता होगी। मजबूत सुरक्षा मानकों को विकसित करना, उपयोगकर्ता शिक्षा को बढ़ावा देना और प्रभावी नियामक ढांचे को लागू करना साइबर अपराध को रोकने और एक सुरक्षित मेटावर्स अनुभव सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

निष्कर्ष

जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी हमारी दुनिया को नया आकार दे रही है, जी20 देशों को उद्योग, शिक्षा, सरकार और विषय वस्तु विशेषज्ञों के सहयोग से अपराध और सुरक्षा के संदर्भ में एनएफटी, एआई और मेटावर्स द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए सक्रिय रूप से काम करने की आवश्यकता है।अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, मजबूत नियामक उपायों, तकनीकी नवाचारों और जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से, बड़े पैमाने पर व्यक्तियों, व्यवसायों और समाजों के हितों की रक्षा करते हुए एनएफटी, एआई और मेटावर्स की परिवर्तनकारी शक्ति का उपयोग किया जा सकता है।

नियामक ढांचे के अनुरूप इन उभरती प्रौद्योगिकियों के साइबर सुरक्षा वर्टिकल पर एक केंद्रित अनुसंधान और विकास दृष्टिकोण साइबर-सुरक्षित इकोसिस्टम बनाने और हर स्तर पर इन प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देने में काफी मदद करेगा। असली उद्देश्य समाज को उभरते खतरों से सुरक्षित रखते हुए इन पथप्रदर्शक प्रौद्योगिकियों की विशाल संभावना का दोहन करना होना चाहिए।

देश के कई हिस्सों में आग लगी हुई है और पीएम चुप हैं : हरपाल सिंह चीमा

भाजपा शासित राज्यों में दलितों महिलाओं और आदिवासियों पर बड़े पैमाने पर अत्याचार हो रहे हैं - 'आप'

जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

मणिपुर और हरियाणा में हो रही हिंसा पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब सरकार में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भाजपा सरकार वाले राज्यों में बच्चों, महिलाओं और आदिवासियों पर अत्याचार हो रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस पर कार्रवाई करने के बजाय खामोश हैं।मोदी सरकार को न तो महिलाओं की चीखें सुनाई दे रही हैं और न ही बच्चों का रोना।

वीरवार को चंडीगढ़ में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए हरपाल चीमा ने कहा कि भाजपा सरकार में आज देश के अंदर जो माहौल बना है उसने दुनिया में भारत को शर्मसार किया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुका है। महिलाओं के साथ बड़े पैमाने पर अत्याचार हो रहा है। अब भाजपा शासित राज्य हरियाणा में भी मणिपुर की तरह आग लग गई है। 100 के करीब लोग जख्मी हो गए और छह मौतें हो गई। लेकिन प्रधानमंत्री ने इन मुद्दों पर कुछ नहीं बोला। इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा के नेतृत्व में ही देश को तोड़ने के लिए बड़ी साजिश रची जा रही है। देश के लोगों के आपसी भाईचारे को तोड़ने में बीजेपी सरकार लगी हुई है।

चीमा ने कहा कि बीजेपी हरियाणा और मणिपुर में हिंसा को रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। सभी भाजपा शासित राज्यों में लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था बिल्कुल खराब है। मणिपुर में लगातार हिंसा जारी है। वहां पर लगातार हमले हो रहे हैं। लोगों को आपस में लड़ाया जा रहा है। लेकिन सरकार की तरफ से राज्य में शांति बहाल करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मणिपुर पिछले तीन महीने से जल रहा है। पूरा विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांग रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री के पास मणिपुर पर बोलने के लिए समय नहीं है। संसद में मणिपुर पर रोज 50 से 70 नोटिस दिए जा रहे हैं, लेकिन सरकार उस पर बहस करने को तैयार नहीं हो रही है।

चीमा ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही मध्य प्रदेश से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आई थी जिसमें एक आदिवासी को पहले बेरहमी से पीटा गया। उसके बाद उसके चेहरे पर पेशाब कर दिया गया, लेकिन बीजेपी सरकार ने कोई सबक नहीं लिया। ऐसी ही एक घटना बीजेपी शासित उत्तर प्रदेश में भी हुई। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि बीजेपी शासित राज्यों में उग्र लोगों को सरकार द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है।

पंजाब कर प्रणाली में लायेगा और पारदर्शिता : चीमा

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां कहा कि राज्य का कर विभाग अपने डिजिटल कर प्रशासन को और मज़बूत करने के लिए नवीनतम सॉफ्टवेयर और तकनीकी समाधान अपनायेगा जिससे आजकल के कारोबारी माहौल की चुनौतियों का सामना किया जा सके। उद्योग भवन में तेलंगाना जी. एस. टी प्रशासन का अध्ययन करके वापिस लौट कर कमिशनरेट के अधिकारियों की टीम के साथ समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि नये स्थापित किये गए टैक्स इंटेलिजेंस यूनिट (टी. आई. यू.) द्वारा अपनायी गई डिजिटल तकनीकें कर प्रणाली को बेहतर ढंग के साथ लागू करने, कर आधार बढ़ाने और चोरी को रोकने में कर अधिकारियों की सहायता करने में कारगर साबित हो रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी संभावित कर चोरी, गलत रिपोर्टिंग और प्रशासनिक त्रुटियों को रोकने के लिए राज्य की ज़रूरतों अनुसार विशेष तौर पर

तैयार किये जा सकने वाले तकनीकी समाधानों को तलाशने के लिए उत्साहित किया।

तेलंगाना दौरे से वापिस लौटी टीम ने राज्य के अध्ययन दौरे के बारे अपने तजुर्बे साझा किये और जीएसटी प्रशासन में तेलंगाना द्वारा अपनाए गए बढ़िया अभ्यासों के बारे विस्तारपूर्वक बताया। टीम द्वारा एक पावर प्वाइंट पेशकारी दी गई जिसमें तेलंगाना द्वारा अपनाये गए अभ्यासों जैसे कि ऑनलाईन निगरानी प्रणाली, रिटर्न की पालना, रिटर्नों की पड़ताल, रिफंड के बाद आडिट आदि को दिखाया गया।

राखी भेजने के लिए डाक विभाग दे रहा 'माई स्टैम्प' सुविधा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जालंधर डाक विभाग रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए विशेष तैयारियां की है। इसके अंतर्गत विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए राखी लिफाफों को भारत और विदेश में कहीं भी, बहुत ही मामूली शुल्क पर प्रथम श्रेणी मेल के रूप में वितरित करने के लिए एक विशेष प्रणाली लागू की गई है।

ये आकर्षक राखी लिफाफे जल प्रतिरोधी (पानी से पूरी तरह सुरक्षित) और स्वयं चिपकने वाली गोंद से युक्त हैं और मात्र 15/- रुपये और 20/-.रुपये की कीमत पर विभिन्न आकारों में उपलब्ध हैं। विभाग ने राखी के साथ कोई भी उपहार भेजने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले विशेष उपहार बॉक्स भी तैयार किए हैं। इस बॉक्स की कीमत 50/- रूपये रखी गई है एवं लिफाफों के साथ-साथ जिले के सभी डाकघरों में उपलब्ध हैं। भाईयों और बहनों के लिए विशेष महत्त्व रखने वाले राखी के त्योहार को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए, डाक विभाग की ओर से जालंधर सिटी मुख्य डाकघर कार्यालय में "माई स्टाम्प" की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। डाकघर, जालंधर डिवीजन के वरिष्ठ अधीक्षक गोपाल कृष्ण ने बताया कि"माई स्टाम्प' एक ऐसी सुविधा है जिसके द्वारा कोई भी अपना फोटोयुक्त स्टाम्प तैयार करवा सकता है। 5/- रुपये प्रति डाक टिकट के मूल्यवर्ग में 12 टिकटों का एक पैकेट मात्र 300/- रुपए में प्राप्त किया जा सकता है। इन विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए टिकटों का उपयोग भारत में कहीं भी, त्योहार के बाद पत्र और पार्सल जिसमें राखी या कुछ और भी हो, भेजने के लिए किया जा सकेगा हैं।

लोगों की सुविधा के लिए तथा राखी की बुकिंग के लिए जालंधर सिटी हैड ऑफिस और जालंधर कैंट हैड पोस्ट ऑफिस में एक एक अलग काऊंटर स्थापित किया गया है ताकि लोगों को लंबी कतारों में खड़ा न होना पड़े।सामान्य डाक की तरह राखी भेजने के लिए दोनों डाकघरों के अंदर एक एक विशेष बॉक्स भी रखा गया है ताकि राखी समय पर पहुंच सके।

सरहद पार से नशा तस्करी रैकेट का पर्दाफाश

6 किलो हेरोइन, 1.5 लाख रुपए की ड्रग मनी सहित व्यक्ति काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/ अमृतसर

पंजाब पुलिस ने सरहद पार से चलाए जा रहे नशा तस्करी रैकेट का पर्दाफाश करते हुये एक व्यक्ति को गिरफ़्तार करके उसके पास से 6 किलो हेरोइन और 1.5 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। यह जानकारी देते हुये डीजीपी, पंजाब गौरव यादव ने गुरूवार को यहाँ बताया कि गिरफ़्तार किये गए मुलजिम की पहचान शिन्दर सिंह निवासी गाँव बुटे की छन्ना महतपुर, जालंधर के तौर पर हुई है। मुलजिम नशा तस्कर है और पहले भी एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत दो आपराधिक मामलों का सामना कर रहा था। डीजीपी ने बताया कि स्टेट स्पैशल आपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर को सूचना मिली थी कि मुलजिम शिन्दर सिंह और उसके साथियों ने हाल ही में पाकिस्तान आधारित तस्करों और एजेंसियों की तरफ से फ़िरोज़पुर क्षेत्र के नदी के रास्ते के द्वारा भारतीय क्षेत्र में भेजी गई हेरोइन की बड़ी खेप प्राप्त की थी और वह(शिन्दर और अन्य) उक्त खेप को खरीददार पक्ष (पार्टी) तक पहुँचाने के लिए अमृतसर के आसपास मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि तत्काल कार्यवाही करते हुये एस. एस. ओ. सी. अमृतसर की विशेष पुलिस टीम ने एक आपरेशन आरंभ किया और योजनाबद्ध तरीके के साथ इलाके की घेराबन्दी करके दोषी शिन्दर सिंह को गिरफ़्तार करने में सफलता हासिल की।

थाना एसएसओसी अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25 और 29 के अधीन मुकदमा नंबर 23 तारीख़ 03. 08. 2023 को दर्ज किया गया है और जल्द ही दोषी को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड ले लिया जायेगा।

डीसी कोमल मित्तल ने आम आदमी क्लीनिकों का किया औचक निरीक्षण

आम आदमी क्लीनिक बागपुर, घोगरा व खुणखुण कलां में स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने आज जिले के तीन आदमी क्लीनिकों का औचक निरीक्षण कर वहां की स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे कि स्वास्थ्य जांच, दवाईयां, टैस्टों व साफ सफाई आदि का जायजा लिया व मौके पर मौजूद लोगों से आम आदमी क्लीनिक की सेवाओं संबंधी फीडबैक हासिल किया। उन्होंने आम आदमी क्लीनिक बागपुर, घोगरा व खुणखुण कलां का निरीक्षण करते हुए सिविल सर्जन डा. बलविंदर कुमार को हिदायत जारी की कि आम आदमी क्लीनिकों में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारु रुप से चलाने में कोई कमी न छोड़ी जाए। उन्होंने इस मौके पर आम आदमी क्लीनिक में काम कर रहे स्टाफ की हाजिरी चैक की व स्टाफ को हिदायत की कि मरीजों को अच्छे माहौल के अंदर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाई जाएं। दसूहा उपमंडल के दौरे के दौरान एस.डी.एम दसूहा ओजस्वी अलंकार भी उनके साथ मौजूद थे।

डिप्टी कमिश्नर ने औचक निरीक्षण के दौरान आम आदमी क्लीनिक में इलाज करवा चुके मरीजों का रिकार्ड चैक कर उनके साथ फोन पर भी बातचीत की और मरीजों की संतुष्टि पर आम आदमी क्लीनिक के स्टाफ की हौंसलाआफजाई भी की। उन्होंने कहा कि लोगों को उनके घरों के नजदीक बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाने के लिए पंजाब सरकार की ओर से आम आदमी क्लीनिक खोले गए हैं, जिसका आम जनता को काफी लाभ पहुंचा है।

कोमल मित्तल ने बताया कि जिले में आम आदमी क्लीनिक खोलने का उद्देश्य है कि लोगों को उनके घरों के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें और इन्हें अपने उपचार के लिए अस्पतालों की लाइनों में न लगना पड़े। उन्होंने कहा कि जिले में इस समय 43 आम आदमी क्लीनिक चल रहे हैं।

जालंधर में डेंगू के लार्वा की जांच के लिए आज से घर-घर किया जाएगा सर्वे, 115 महत्वपूर्ण स्थानों की पहचान

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

नगर निगम कमिश्नर अभिजीत कपलिश ने गुरुवार को शहर में डेंगू के लार्वा की जांच के लिए शुक्रवार से घर-घर अभियान चलाने के आदेश जारी किए। नगर निगम में वर्कशॉप की अध्यक्षता करते हुए अभिजीप कपलिश ने कहा कि नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग ने शहर में हर साल डेंगू के मामले सामने आने वाले 115 गंभीर स्थानों की पहचान की है।

उन्होंने कहा कि नगर निगम का प्रत्येक राजपत्रित अधिकारी अपनी टीम के साथ प्रातः 8 बजे से प्रातः 10 बजे तक फील्ड में रहेगा तथा अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्वेक्षण सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि डेंगू का लार्वा पाए जाने पर चालान काटने के अतिरिक्त टीमों द्वारा लोगों को डेंगू के लिए जिम्मेदार एडी एगीपिट और एडीज एल्बोपिक्टस मच्छरों के बारे में जागरूक करेंगी। उन्होंने कहा कि शहर के निवासियों को निर्देश दिया जाएगा कि वे पानी की टंकियों और कंटेनरों को ढक कर रखें और अपने घरों और अन्य इमारतों के आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। उन्होंने कहा कि पानी के कंटेनर जैसे बर्तन, फ्रिज ट्रे, टायर, कूलर आदि की जांच की जाएगी क्योंकि ये डेंगू मच्छरों के पनपने का मुख्य कारण हैं।

अभिजीत कपलिश ने बताया कि टीम सर्वे से संबंधित फोटो और वीडियो तुरंत स्पेशल सेल के व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर करेगी।

कुलैक्टर रेट संशोधित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने आज सभी उप-मंडल मैजिस्ट्रेटों और तहसीलदारों को कुलैक्टर रेट संशोधित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए है और उन्हें शनिवार तक इस संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा ताकि नई कुलैक्टर दरों को अंतिम रूप देने के लिए आगे की कार्रवाई की जा सके। इस संबंध में सभी एसडीएम और तहसीलदारों के साथ बैठक के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि कुलैक्टर दरें जमीनी स्तर पर फील्ड स्टाफ की सलाह से तय की जाएं ताकि नई दरों को क्षेत्र के अनुसार तर्कसंगत बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में रिपोर्ट तैयार करते समय जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित पक्षों से चर्चा सहित सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद जिला प्रशासन नए कुलैक्टर रेट के संबंध में एक रिपोर्ट तैयार करेगा और जिले में नए कुलैक्टर रेट तय करने के लिए राज्य सरकार को भेजेगा।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कुलैक्टर दरों में संशोधन के संबंध में प्रस्ताव तय समय पर भेजने सुनिश्चित किए जाए ताकि जिला प्रशासन द्वारा इस संबंध में राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजने के लिए जल्द से जल्द आगे की कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) मेजर अमित महाजन, सभी उपमंडल मैजिस्ट्रेट, तहसीलदार आदि उपस्थित थे।

आदमपुर में गोलियां चलाने वाले 4 भगौड़े गैंगस्टर गिरफ्तार

जालंधर ब्रीज. जालंधर : जालंधर देहात पुलिस ने चार खतरनाक भगौड़े गैंगस्टर्स को गिरफ्तार किया है व उनसे तीन पिस्तौल, 13 जिंदा कारतूस, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल बरामद किया है। आरोपियों की पहचान कुलवंत सिंह निवासी पाषटा (रावलपिंडी), अमनप्रीत सिंह निवासी रिहाणा जट्टा, सौरव उर्फ गौरी और जसप्रीत सिंह जस्सा के रूप में हुई है। एसएसपी मुखविंदर सिंह भुल्लर ने बताया कि ये सभी आरोपी कुख्यात गैंगस्टर है। इन सबके के खिलाफ आधा दर्जन से ज्यादा आपराधिक केस दर्ज है।

एसएसपी ने बताया कि 30 जुलाई, 2023 को इन सबने मिलकर आदमपुर में महावीर कोके नामक युवक पर गोलियां चलाई और उसे बेरहमी से पीटा भी। हमले के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज रहे मनोज तिवारी ने लिया क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से सन्यास

कोलकाता. भारतीय क्रिकेट टीम और पश्चिम बंगाल सरकार में खेलमंत्री मनोज तिवारी ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। वो पिछले सीजन में रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए खेले थे। बता दें कि, पिछले साल बंगाल रणजी ट्रॉफी का उपविजेता भी रहा था। मनोज ने अपने रिटायमेंट का ऐलान सोशल मीडिया पर पोस्ट कर किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज रहे मनोज तिवारी लेग ब्रेक गेंदबाजी भी करते थे। घरेलू क्रिकेट में बंगाल का प्रतिनिधित्व करने वाले इस खिलाड़ी ने एमएस धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम के लिए भी खेला था। जबकि आईपीएल में वो राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स में भी खेले थे। वहीं आईपीएल में वो दिल्ली डेयरडेविल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, किंग्स इलेवन पंजाब जैसी कई और टीमों का हिस्सा भी रहे। इसके अलावा मनोज ने 12 वनडे और तीन टी20 मुकाबले भी खेले। वनडे में उन्होंने 287 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक भी शामिल है। हालांकि, टी20 में उन्होंने महज 15 रन बनाए हैं।

बंगाल के खेलमंत्री मनोज ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर अपने रिटायरमेंट का ऐलान किया। इस दौरान उन्होंने लिखा, क्रिकेट को अलविदा। इस खेल ने मुझे सब कुछ दिया है। मेरा मतलब है कि हर चीज जिसके बारे में मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। मैं इस खेल और भगवान का हमेशा आभारी रहूंगा, जो हमेशा मेरे पक्ष में रहे। इस मौके पर मैं उन सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिन्होंने मेरी क्रिकेट की जर्नी में भूमिका निभाई है। मेरे बचपन से लेकर पिछले साल तक मेरे सभी कोचों को धन्यवाद।

बाजवा ने कल्याणकारी योजनाओं के वित्तपोषण के स्रोतों के बारे में 'आप' से स्पष्टीकरण मांगा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार के 17 महीने के शासन के तहत पंजाब की गिरती वित्तीय स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार से यह बताने के लिए कहा कि वह मुफ्त बिजली योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं को कैसे जारी रखेगी? एक समाचार रिपोर्ट का हवाला देते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाजवा ने कहा कि नए नियम के अनुसार, सरकार को अब पंजाब राज्य बिजली निगम लिमिटेड (पीएसपीसीएल) को अग्रिम में बिजली सब्सिडी का भुगतान करना होगा या सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं पर बिना सब्सिडी वाले टैरिफ को लागू करने का जोखिम उठाना होगा।

बाजवा ने कहा कि इस वित्त वर्ष के लिए राज्य का कुल बिजली सब्सिडी बिल 20243.76 करोड़ रुपये है। एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, 31 जुलाई तक, सरकार ने अपने 6,762 करोड़ रुपये के बिजली सब्सिडी बिल को मंजूरी दे दी है। हालांकि, 1,804 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त (9,020 करोड़ रुपये की बकाया सब्सिडी राशि का भुगतान करने के लिए) का भुगतान किया जाना बाकी है। इसी तरह, सरकार ने अभी तक 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये प्रदान करने की योजना को लागू नहीं किया है।

उन्होंने कहा, 'वर्तमान परिस्थितियों में आप सरकार के पास विभिन्न स्रोतों से धन उधार लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। राज्य पर इस समय 3.12 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। चूंकि सरकार राज्य की आर्थिक स्थितियों को ऊपर उठाने में विफल रही है, इसलिए ऋण का बोझ बढ़ने वाला है। यह चुनाव से पहले आप द्वारा किए गए वादों के विपरीत है। कादियां के विधायक बाजवा ने कहा कि आप सरकार रेत खनन से 20,000 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने में विफल रही और भ्रष्टाचार को समाप्त करके 34,000 करोड़ रुपये जुटा रही है, जैसा कि आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने वादा किया था।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.